

मैंगनीज़ संदूषण से कैंसर की संभावना

स्रोत: डाउन टू अर्थ

हाल ही में हुए एक अध्ययन में बहिर के **गंगा के मैदानी** क्षेत्रों में बढ़ते **कैंसर के मामलों के लिये भूजल** में **मैंगनीज़ (Mn) संदूषण को ज़िम्मेदार ठहराया गया**।
↓ बलड सैपल्स (औसत: 199 µg/L; उच्चतम: लीवर कैंसर के मरीज़ में 6,022 µg/L) और घरेलू हैंडपंप के जल में Mn का बढ़ा हुआ स्तर देखा गया है।

- अध्ययन में बहिर के 1,146 कैंसर रोगियों की जाँच की गई, जसिमें **कार्सिनोमा** सामान्य (84.8%) था।

घरेलू जल के सैपल्स का मैंगनीज़ संदूषण के लिये **परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर का उपयोग करके परीक्षण किया गया है।**

मैंगनीज़:

- यह पृथ्वी पर **पाँचवीं सबसे प्रचुर धातु है, जो ऑक्साइड, कार्बोनेट और सलिकेट के रूप में प्राकृतिक रूप से वदियमान है।**
- यह शरीर में **होमियोस्टेसिस को बनाए रखने के लिये अल्प मात्रा में महत्त्वपूर्ण है, कति अधिक मात्रा में वषिकृत हो जाता है।**
- **WHO** के अनुसार पीने योग्य जल में **मैंगनीज़ की अनुशंसति सीमा 400 µg/L है।**

संदूषण के स्रोत:

- प्रमुख स्रोतों में **भूगर्भीय अवसाद (अवसादी/आग्नेय चट्टानों से)** और **औद्योगिक प्रदूषण** जैसे मानवजनित कारक शामिल हैं। **भूजल** संदूषण का एक प्राथमिक माध्यम है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- मैंगनीज़ के उच्च स्तर के नरितर संपर्क में रहने से **वषिकृता उत्पन्न होती है, जसिसे कमज़ोरी, भद्दापन, भावनात्मक अस्थिरता, गतशीलता में कमी और उन्नत अवस्था में कैंसर जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं।**

(adsbygoogle = window.adsbygoogle || []).push({});

प्रभावित क्षेत्र:

- **भारत:** बहिर का गंगा का मैदान, पश्चिम बंगाल (मुरशदिबाद, 24 परगना), कर्नाटक (तुमकुर)।
- **वैश्विक:** नाइज़ीरिया, बांग्लादेश, चीन, जापान और ग्रीस।

और पढ़ें: **भारत में भूजल प्रदूषण**